

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 01 अप्रैल, 2022

उत्कल दविस

01 अप्रैल, 2022 को ओडिशा में उत्कल दविस अथवा ओडिशा दविस का आयोजन किया गया। ध्यातव्य है कि 01 अप्रैल, 1936 को ओडिशा अस्तित्व में आया था। वर्ष 1947 में स्वतंत्रता के पश्चात् ओडिशा तथा आस-पास की रियासतों ने नवगठित भारत सरकार को अपनी सत्ता सौंप दी थी। राज्य को एक अलग ब्रिटिश भारत प्रांत के रूप में स्थापित किया गया था और उसी की याद में तथा राज्य के सभी नागरिकों के बीच एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिये इस दविस का आयोजन किया जाता है। उल्लेखनीय है कि ओडिशा, भारत का ऐसा तीसरा राज्य है जहाँ आदवासियों की जनसंख्या अधिक है। प्राचीन भारत में उड़ीसा (ओडिशा) कलिंग साम्राज्य का हिस्सा था, 250 ईसा पूर्व में अशोक द्वारा इसे जीत लिया गया, जिसके पश्चात् लगभग एक सदी तक यहाँ मौर्य वंश का शासन रहा।

भारतीय रज़िर्व बैंक

1 अप्रैल, 2022 को भारतीय रज़िर्व बैंक अपना स्थापना दविस मना रहा है। **भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)** की स्थापना भारतीय रज़िर्व बैंक अधिनियम, 1934 के प्रावधानों के अनुसार, 1 अप्रैल, 1935 को हुई थी। प्रारंभ में रज़िर्व बैंक का केंद्रीय कार्यालय कोलकाता में स्थापित किया गया था, जिससे वर्ष 1937 में स्थायी रूप से मुंबई में स्थानांतरित कर दिया गया। RBI का गवर्नर बैंक के केंद्रीय कार्यालय में बैठता है और वहीं नीतियाँ निर्धारित की जाती हैं। यद्यपि प्रारंभ में यह नज़ि स्वामित्व वाला था, कति वर्ष 1949 में RBI के राष्ट्रीयकरण के बाद से इस पर भारत सरकार का पूर्ण स्वामित्व है। रज़िर्व बैंक का कामकाज केंद्रीय नदिशक बोर्ड द्वारा शासित है। भारत सरकार के भारतीय रज़िर्व बैंक अधिनियम के अनुसार, इस बोर्ड की नयिकृता/नामन चार वर्ष के लिये होती है। रज़िर्व बैंक का प्राथमिक कार्य मौद्रिक नीति तैयार कर उसका कार्यान्वयन और नगिरानी सुनिश्चित करना है। इसके अतिरिक्त यह मुद्रा जारीकर्त्ता के रूप में भी कार्य करता है।

वमिन स्क्वाड्रन 'कॉडोर्स' की कमीशनगि

गोवा में आयोजित एक समारोह में नौसेना ने 'INAS-316' को अपने बेड़े में शामिल किया है। 'INAS-316' को 'कॉडोर्स' नाम दिया गया है, जो कविशाल पंखों वाले सबसे बड़े उड़ने वाले पक्षियों में से एक है। इस स्क्वाड्रन का प्रतीक चहिन समुद्र के विशाल क्षेत्र में खोज करते हुए एक 'कॉडोर' को दर्शाता है। इंडियन नेवल एयर स्क्वाड्रन- 316' (INAS-316) वर्ष 2016 में वैकल्पिक क्लॉज के हिस्से के रूप में खरीदे गए चार पी-8आई वमिनों का संचालन करेगा। P-8I बहु-भूमिका वाली लंबी दूरी की मेरीटाइम रिकॉनसिंस एंटी-सबमरीन वारफेयर (LRMR ASW) क्षमताओं वाला एक वमिन है। इस वमिन को कई प्रकार के टॉरपीडो के साथ-साथ हवा से जहाज़ पर वार करने वाली मिसाइलों से भी लैस किया जा सकता है।

वरणकिा

भारतीय रज़िर्व बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी **भारतीय रज़िर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (Bharatiya Reserve Bank Note Mudran Private Limited- BRBNMPL)** ने कर्नाटक के मैसूर में “वरणकिा” नामक एक स्याही निर्माण इकाई की स्थापना की है। इस नई इकाई को RBI गवर्नर शक्तिकांत दास ने राष्ट्र को समर्पित किया। कलर शफिट इंटेग्लियो इंक (Colour Shift Intaglio Ink - CSII) का निर्माण भी इसी इकाई द्वारा किया जा रहा है। यह इकाई देश के सभी बैंक नोट प्रटिगि प्रेस की आवश्यकताओं को पूरा कर रही है। इस इकाई की क्षमता लगभग 1,500 मीटरकि टन है। इसकी स्थापना 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत बैंक नोटों की छपाई हेतु आवश्यक स्याही को देश में ही निर्मित करने के उद्देश्य से की गई है। **BRBNMPL** सभी भारतीय बैंक नोटों को छापने का कार्य करती है, देश में सक्िकों और बैंक नोटों की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से इसे वर्ष 1995 स्थापित किया गया था। देश की अधिकांश बैंक नोट आवश्यकताओं की आपूर्ति BRBNMPL द्वारा की जाती है, BRBNMPL का मुख्यालय **बंगलूर** में स्थित है।